Dainik Jagran

Date: 21.11.15

Page No. VI (U.Band)

'चिकित्सा क्षेत्र में बदलावों की आवश्यकता'

- वरुण गांधी ने आइटीएस में किया कार्यशाला का उद्घाटन
- श्रेष्ठ शोध वाले छात्रों को 60 हजार की धनराशि का पुरस्कार

डाक्टरों को स्मृति चिन्ह देते मुख्य अतिथि भाजपा सांसद वरुण गांधी।

संवाद सहयोगी, मुरादनगर : भाजपा सांसद वरुण गांधी ने कहा कि लोकसभा में 33 प्रतिशत सांसद कृषि क्षेत्र, 12 प्रतिशत वकील व 4 प्रतिशत लोग मेडिकल क्षेत्र से जुड़े है। देश में 30 प्रतिशत से भी कम लोगों के पास स्वास्थ्य बीमा है, जबकि जीडीपी का केवल दो प्रतिशत हिस्सा स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दिया जाता है। ऐसे में चिकित्सा के क्षेत्र में देश में बड़े बदलावों की आवश्यकता है। यह बातें उन्होंने शुक्रवार को एनएच-58 स्थित आइटीएस डेंटल कॉलेज में बतौर मुख्य अतिथि कही। वह इंडियन सोसायटी फॉर डेंटल रिसर्च विषय पर पांच दिवसीय अंतराष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन करने के लिए आइटीएस पहुंचे थे।

उन्होंने सूचना के अधिकार (2005) और पीआइएल की आम आदमी के लिए उपयोगिता और ताकत के बारे में विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर विभिन्न डेंटल कॉलेजों से एक हजार से अधिक प्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम में श्रेष्ठतम शोध करने वाले छात्रों को 60 हजार रुपये की धनराशि देकर पुरस्कृत किया गया। इससे पूर्व वरुण गांधी ने कार्यशाला सोवनियर का विमोचन किया। शोधकर्ताओं और विदेशों से आए डॉक्टरों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यशाला में भाग लेने के लिए अमेरिका, दुबई, स्कॉटलैड, चीन आदि से कई अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कई डाक्टर पहुंचे हैं। सम्मेलन में मौलाना आजाद डेंटल कॉलेज दिल्ली से डा. महेश शर्मा, एम्स दिल्ली से डा. ओपी खरबन्दा समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

Amar Ujala

Date: 21.11.15

Page No. 07

ग्रामीण इलाकों में आज भी डेंटिस्ट कम'

अमर उजाला ब्यूरो

मुरादनगर। भारत में जीडीपी का केवल 2 फीसदी हिस्सा ही स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च होता है। 30 प्रतिशत से कम लोगों के पास ही स्वास्थ्य बीमा है, जो कि देश की जनसंख्या के हिसाब से बहुत कम है। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में दंत चिकित्सकों का काफी अभाव है। इसमें सुधार के लिए सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं पर जीडीपी का अधिक हिस्सा खर्च करने की जरूरत है। आईटीएस डेंटल कॉलेज में आईएसडीआर कार्यशाला में भाजपा सांसद वरुण गांधी ने यह बातें कहीं।

पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ भाजपा सांसद वरुण गांधी, डा. एसपीएस बख्शी, आईटीएस ग्रुप के चेयरमैन डा. आरपी चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने किया। कार्यशाला में डेंटल कॉलेजों के एक हजार से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। सांसद वरुण गांधी ने कहा कि लोकसभा में 33 प्रतिशत सांसद कृषि क्षेत्र, 12 प्रतिशत वकील और केवल 4 प्रतिशत मेडिकल प्रोफेशन से हैं। भारत में मेडिकल की पढ़ाई में करीब 2 लाख लड़कियां और डेढ़ लाख लड़के हैं, जो कि गौरव की बात है। कारपोरेट सोशल रेस्पोंसिबिलिटी (सीएसआर) का 0.05 प्रतिशत से कम हिस्सा दंत स्वास्थ्य परियोजनाओं के लिए प्रयोग होता है। उन्होंने युवा डॉक्टरों से चार-पांच महीने ग्रामीण क्षेत्रों में निःशुल्क इलाज देने को प्रेरित किया।

आईटीएस डेंटल कालेज में कार्यशाला को संबोधित करते भाजपा सांसद वरुण गांधी।

कार्यशाला में 16 अंतर्राष्ट्रीय और 30 से अधिक राष्ट्रीय वरिष्ठ दंत चिकित्सकों ने अनुभव साझा किए। पीजी निदेशक डा. विनोद सचदेव ने बताया कि श्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुत करने वाले शोधार्थियों को 60 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। आईएसडीआर संस्थान की अध्यक्षा डा.नसीम शाह ने उच्च शिक्षा संस्थानों के अनुसंधान के महत्व पर बल दिया। कार्यक्रम में दुबई के डा. काफर्ड बेन, ग्रीस से डा. क्लीयोपेटरा नाकोपूलोस, स्काटलैंड के डा. वाल्स एंगस, यूके के डा. युजीन मराए, चीन से डा. ज्हूआन बियान म्याउ हे, दिल्ली के मौलाना आजाद डेंटल कॉलेज के डा. महेश वर्मा, एम्स से डा. ओपी खरबंदा आदि मौजूद रहे।

Nav Bharat Times

Date: 21.11.15

Page No. 04 (Gr. Bad)

'गांव में जाकर सेवा करें डॉक्टर'

ITS डेंटल कॉलेज में बोले वरुण गांधी

■ एनबीटी न्यूज, मुरादनगर : एनएच 58 स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज में 28वां इंडियन सोसायटी फॉर डेंटल रिसर्च कार्यक्रम चल रहा है। जिसमें देश भर से आये एक हजार से अधिक डेन्टल डॉक्टर हिस्सा ले रहे हैं।

समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने डॉक्टरों से कहा कि युवा दन्त चिकित्सक ग्रामीण क्षेत्र में जाकर समाज के कमजोर वर्ग के लोगों, किसानों मजदूरों को बेहतर दन्त चिकित्सा मुहैया कराएं। शहरों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रो में आज भी डेंटल डॉक्टर्स का अभाव है। बीजेपी सांसद वरुण गांधी शुक्रवार को आईटीएस डेंटल कॉलेज के विक्रम साराभाई ऑडिटोरियम में देश भर से आये दांतों के डॉक्टरों को संबोधित कर रहे थे।

डॉक्टर्स को संबोधित भी किया